नेपाल में चमके छत्तीसगढ़ के सितारे

कबीरधाम के चार होनहार युवाओं ने लहराया भारत का परचम

रायपुर

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के चार होनहार खिलाड़ियों ने नेपाल के पोखरा शहर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग एवं वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ और देश का परचम लहराया है। अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त भारतीय खेल संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और म्यांमार समेत सात देशों के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। भारत की ओर से छत्तीसगढ़ के कवर्धा से सूरज राजपूत, दीपाली सोनी, अभिषेक तिवारी और अनुराग जांगड़े ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वर्ण पदक हासिल किए।

ज्ञात हो कि बॉडीबिल्डिंग स्पर्धा में कबीरधाम के सूरज राजपूत ने सात देशों के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए इंटरनेशनल मिस्टर ओवरऑल का खिताब अपने नाम किया। सूरज पूर्व में मिस्टर छत्तीसगढ़, सीनियर नेशनल बॉडीबिल्डिंग चौंपियनशिप और पावरलिफ्टिंग में भी पदक जीत चुके हैं। वर्तमान में वे कवर्धा के "भारत हेल्थ क्लब" में कोच की भूमिका निभा रहे हैं और लगभग 50 युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। दीपाली सोनी, जो कि जिले की पहली महिला स्वर्ण विजेता वेटलिफ्टर बनीं, उन्होंने 76 किलोग्राम वर्ग में जीत दर्ज की। वे इससे पहले राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। पुरुषों की 67 किलोग्राम श्रेणी में सब-जूनियर वर्ग के अभिषेक तिवारी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके पहले

स्कूल नेशनल गेम्स में भी पदक जीत चुके हैं। वहीं 14 वर्षीय अनुराग जांगड़े, जिन्होंने 109 किलोग्राम वर्ग में सब-जूनियर वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया, पहले भी जिला और स्कूल स्तरीय कई प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे हैं।

गौरतलब है कि इन चारों खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने का श्रेय भी सूरज राजपूत को जाता है, जो वर्षों से समर्पण भाव से निःशुल्क प्रशिक्षण देकर जिले के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार कर रहे हैं। सूरज राजपूत ने अपनी सफलता और टीम की उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, खेल मंत्री टंक राम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले के साथ-साथ राज्य के हर युवा की प्रेरणा बनेगी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में दुबई में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसकी तैयारी भी वे कवर्धा से ही पूरी निष्ठा के साथ करेंगे। नेपाल की धरती पर खिलाड़ियों द्वारा किया गया यह प्रदर्शन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

बॉडी बिल्डिर सूरज राजपूत - बॉडीबिल्डिंग की दुनिया में सूरज राजपूत का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। नेपाल की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने सात देशों के धुरंधरों को पछाड़ते हुए इंटरनेशनल मिस्टर ओवरऑल का खिताब अपने नाम किया। सूरज राजपूत कहा कि यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ की है। छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचना आसान नहीं होता, लेकिन अगर मन में जुनून हो और मार्गदर्शन सही हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। सूरज 'भारत हेल्थ क्लब' में बतौर कोच लगभग 50 खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे मिस्टर छत्तीसगढ़, सीनियर नेशनल और पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं में भी मेडल जीत चुके हैं।

वेटलिफ्टर दीपाली सोनी- 76 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली कबीरधाम जिले की दीपाली सोनी कबीरधाम की पहली महिला वेटलिफ्टर बनी हैं। जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर इतिहास रच दिया। दीपाली सोनी अपना अनुभव साझा करती हुए कहती है कि नेपाल की यात्रा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक रही। पहली बार विदेश जाकर खेलना और तिरंगा लहराना एक सपना था, जो पूरा हुआ। मुझे खुशी है कि अब जिले की अन्य बेटियां भी वेटलिफ्टिंग जैसे खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेंगी।" दीपाली पहले भी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं।

वेटलिफ्टर अभिषेक तिवार- 67 किलोग्राम वर्ग के सब-जूनियर वेटलिफ्टिंग कैटेगरी में अभिषेक तिवारी ने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी कड़ी मेहनत का शानदार उदाहरण पेश किया। अभिषेक तिवारी कहते हैं कि जब मेरे गले में मेडल आया, तो मुझे अपने माता-पिता, गुरुजी और पूरे जिले की मेहनत याद आई। नेपाल में रहना, वहां के खिलाड़ी और माहौल सभी कुछ नया था, लेकिन हमने भारत का झंडा ऊंचा रखने का संकल्प लिया था।

वेटलिफ्टर अनुराग जांगड़े- सिर्फ 14 वर्ष की उम्र में 109 किलोग्राम वर्ग में सब-जूनियर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड जीतने वाले अनुराग जांगड़े ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अनुराग जांगड़े ने अपनी कैरियर की पहली विदेश यात्रा में मिले उपलब्धियों की खुशी जाहिर करते हुए कहा कि "मैं बहुत खुश हूं कि इतनी छोटी उम्र में देश के लिए स्वर्ण पदक जीत पाया। यह सब मेरे कोच सूरज सर की वजह से संभव हुआ, जिन्होंने हमें दिन-रात निःस्वार्थ भाव से मुझे तैयार किया।" विदेश में राष्ट्रीय ध्वज लहराने की खुशी में शब्दों में बयां नही कर सकता।

महत्वपूर्ण एवं खास

ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 6 लाख 83 हजार की ठगी

रायपुर (आरएनएस)। मोबाइल में दोपहिया वाहन व पैसे देने का स्कीम चलाकर कई लोगों से 6 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नेभन कुमार ताम्रकार 44 वर्ष गोवर्धन नगर नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी रिषभ गोयल का रिषभ ऑटो मोबाइल्स नाम से दुकान है। जहां आरोपी ने स्कीम चलाया कि प्रतिमाह 2500 रुपए जमा करने पर 24 माह बाद एकमुश्त राशि 60 हजार रुपए या टीवीएस कंपनी का दोपहिया वाहन मिलेगा। जिससे आरोपी ने प्रार्थी व अन्य लोगों को इस स्कीम के झांसे में लेकर 6 लाख 83 हजार 500 रुपए ऐंठ लिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

78 महिलाओं से 30 लाख से अधिक की ठगी

रायपुर (आरएनएस)। दो महिलाओं ने 78 महिलाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर 30 लाख से अधिक रुपए ठग लिए। प्रार्थिया की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपी महिलाओं के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया त्रिवेणी जलत्री 32 वर्ष आरंग की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि आरोपिया राखी ध्रुव और पूनम नायक ने अपने आप को मां दंतेश्वरी लघु उद्योग एनजीओ चलाती हूं कहकर 78 महिलाओं को स्वरोजगार दिलाने का लालच देकर 40-40 हजार रुपए का लोग अलग-अलग बैंकों से निकलवा कर अपने पास रख लिया और प्रतिमाह 6 हजार रुपए मानदेय एवं रोजगार देने का आश्वासन देकर कुल 30 लाख 20 हजार रुपए का धोखाधड़ी किया। प्रार्थिया की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपिया के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को ठोंका

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हिट एंड रन का मामला सामने आया है. तेज रफ्तार कार ने राह चलते दो लोगों को टक्कर मारी. दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है. इस हादसे में दो महिलाएं और बच्चे बाल-बाल बचे. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी आया है, जिसे देखकर आप हैरान रह जाएंगे. यह घटना तोरवा थाना क्षेत्र के महमंद-सिरगिट्टी बायपास पर हुई. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है.

मुख्यमंत्री की कैबिनेट ने नवा रायपुर में एन.आई.एफ.टी. कैम्पस की स्थापना की दी मंजूरी

- छत्तीसगढ़ में फैशन शिक्षा को नई उड़ान
- राज्य में फैशन और टेक्सटाइल उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में फैशन शिक्षा और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में नवा रायपुर में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.एफ.टी.) के नए कैम्पस की स्थापना को मंजूरी प्रदान की गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत 271.18 करोड़ रुपये है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह कदम न केवल छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए फैशन शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलेगा, बल्कि राज्य में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगा।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.एफ.टी.) भारत में फैशन डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में से एक है। 1986 में कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत स्थापित इस संस्थान के वर्तमान में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु सहित देश भर में 17 परिसर हैं। नवा रायपुर में स्थापित होने वाला यह 18वां नया कैम्पस छत्तीसगढ़ के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि होगी। यह संस्थान फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन प्रबंधन और फैशन प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करेगा। साथ ही, यह फैशन उद्योग के साथ सहयोग के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और प्लेसमेंट के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। नवा रायपुर में एन.आई.एफ.टी. की स्थापना से छत्तीसगढ़ के युवाओं को विश्वस्तरीय फैशन शिक्षा प्राप्त करने का अवसर अपने राज्य में ही मिलेगा। यह संस्थान तकनीकी रूप से प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करके फैशन और टेक्सटाइल उद्योग को मजबूती प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह परियोजना स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य राज्य के युवाओं को विश्वस्तरीय शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। नवा रायपुर में एन.आई.एफ.टी. कैम्पस की स्थापना न केवल फैशन शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति लाएगी, बल्कि छत्तीसगढ़ को औद्योगिक और आर्थिक विकास के नए शिखर पर ले जाएगी।

नवा रायपुर एक उभरता हुआ वैश्विक केंद्र- नवा रायपुर, जो पहले से ही एक स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बना चुका है, अब शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में भी एक नया मुकाम हासिल कर रहा है। एन.आई.एफ.टी. कैम्पस की स्थापना से नवा रायपुर को फैशन और टेक्सटाइल उद्योग का एक प्रमुख केंद्र बनने का अवसर मिलेगा। यह परियोजना न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की छवि को भी निखारेगी।

जंगल में जवानों ने बरामद किया 5 किलो का कुकर आईईडी

नारायणपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक बार फिर नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सर्चिंग अभियान के दौरान गट्टाकाल के जंगल में सुरक्षाबलों को 5 किलो वजनी कुकर प्रेसर आईईडी बरामद हुआ है, जिसे माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए प्लांट किया था। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विस्फोटक रोधी सर्च अभियान के तहत बीडीएस (बम डिस्पोजल स्क्वाड) टीमों को विभिन्न संवेदनशील इलाकों में रवाना किया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को थाना कोहकामेटा अंतर्गत मोहंदी कैम्प से जिला पुलिस बल, 53वीं वाहिनी आईटीबीपी और बीडीएस की संयुक्त टीम सर्चिंग पर रवाना हुई थी। ग्राम गट्टाकाल के जंगलों में एरिया डॉमिनेशन के दौरान टीम को एक पहाड़ी रास्ते पर संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने पर पता चला कि वह एक प्रेशर कुकर में छिपाया गया 5 किलो का आईईडी है। सुरक्षाबलों की सतर्कता और सूझबूझ से इस बम को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि हम लगातार संवेदनशील इलाकों में बीडीएस टीम को भेज रहे हैं और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

जवानों को उड़ाने नक्सलियों ने प्लांट किया था 5 किलो का बम

नारायणपुर-रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ में जवानों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया है. सर्चिंग अभियान के दौरान गट्टाकाल के जंगल से पांच किलो वजनी कुकर प्रेसर आईईडी बरामद किया गया है. नक्सलियों ने यह आईईडी जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लांट किया था. दरअसल, पुलिस अधीक्षक नारायणपुर प्रभात कुमार ने माओवादियों के लगाये गये आईईडी विस्फोट की घटना से हो रही नुकसान को देखते हुए क्षेत्र में आईईडी खोजने के लिए बीडीएस टीम को अगल-अलग क्षेत्रों में भेजा जा रहा है. इस दौरान नक्सलियों के द्वारा लगाये गये आईईडी को बरामद कराया जा रहा. इसी कड़ी में 15 अप्रैल को थाना कोहकामेटा क्षेत्रान्तर्गत कैम्प मोहंदी से जिला पुलिस बल, 53वीं वाहिनी आईटीबीपी और बीडीएस के संयुक्त बल एरिया डॉमिनेशन पर ग्राम गट्टाकाल और आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे. इस दौरान गट्टाकाल के जंगल पहाड़ी रास्ते में 5 किलो का 1 कुकर आईईडी बरामद किया गया. सुरक्षाबलों की सतर्कता के चलते आईईडी को मौके पर ही सुरक्षित रूप से डिफ्यूज कर दिया गया. माओवादियों द्वारा उक्त आईईडी को सुरक्षा बलो को नुकसान पहुंचाने के नीयत से लगाया गया था. वर्ष 2025 में अब तक कुल 16 से अधि आईईडी जप्त किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि नक्सली क्षेत्र में लगातार हिंसा फैलाने की फिराक में हैं।

50 करोड़ की बनी कार्य योजना,वाटर हार्वेस्टिंग जरूरी नहीं तो होगा 50 हजार का जुर्माना- संजय पाण्डे

जगदलपुर-रायपुर | आरएनएस

नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की पहली बैठक बुधवार को नगर निगम के एमआईसी कक्ष मे हुई। जिसमें 50 करोड़ की कार्य योजना बनाई गई। बजट 2025 -26 का अवलोकन एवं अनुमोदन भी किया गया। जिसमें नेहरू परिसर एवं झीरम शहीद मेमोरियल स्मारक का जीर्णोद्धार होगा। सडक़,पानी,नाली और बिजली जैसे बुनियादी मुद्दों के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर 57 प्रस्तावों पर चर्चा की गई। निगम के नए कार्यकाल की पहली एमआईसी बैठक में डॉ बी आर अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण, बोधघाट थाना से कमिश्नर ऑफिस तक एवं एमपीएम हॉस्पिटल से एलआईसी रोड तक बीटी रोड चौड़ीकारण कार्य, नगर पालिक निगम जगदलपुर में विभिन्न जगहों पर पुलिया निर्माण, दलपत सागर का विकास एवं सौंदर्य करण,मुक्तिधाम से पावर हाउस चौक होते हुए लालबाग आमागुड़ा चौक तक चौड़ीकरण कार्य विभिन्न जगहों पर शेड निर्माण, सामुदायिक भवन, देवगुड़ी निर्माण,मातागुड़ी में शेड निर्माण कार्य, पेवर ब्लॉक कार्य, फेंसिंग बाउंड्रीवॉल कार्य, स्मार्ट क्लास रूम का अनुमोदन किया गया।एमआईसी बैठक में वीर सावरकर भवन, शटाउन हॉल,सोलर हाई मास्क लाइट,सोलर स्ट्रीट लाइट एवं आवासीय भू खंड व्यवसायिक भूखंड में वृक्षारोपण करने संबंधी निर्णय लिया गया। इस बैठक में भवन अनुज्ञा लेते समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनना तय हुआ नहीं बनने पर 50 हजार का जुर्माना तय किया गया। विभिन्न जगहों पर लगे टुल्लू पंप की जप्ती करने निर्देश दिया गया। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का संचालन करने हेतु 5 रूपये में भरपेट भोजन करवाने की व्यवस्था की गई। शासकीय टेरिस एवं एलईडी हेतु पूर्व में निर्धारित दर राशि को 10त्न बढ़ाई गई।

महापौर संजय पाण्डे ने कहा प्रथम एमआईसी बैठक में 57 प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में शहर की पानी की आपूर्ति को दरुस्त करने के हेतु जरूरी कदम उठाने तथा सडक़ पानी और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

ड्राई फ्रुट व्यापारी के ठिकाने पर ईडी की छापेमारी, चार राज्यों में एक साथ बड़ी कार्यवाई

रायपुर/जयपुर | आरएनएस

महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध सट्टेबाजी मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ ईडी टीम ने जयपुर के सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी में ड्राई-फ्रुट व्यापारी भरत दाधीच के फ्लैट पर छापा मारा है। फ्लैट से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए गए हैं। टीम के साथ केंद्रीय बलों के जवान भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात हैं।

यह छापेमारी सिर्फ जयपुर तक सीमित नहीं रही। ईडी ने एक ही समय पर मध्य प्रदेश के भोपाल, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, दिल्ली और राजस्थान के कुल 60 से अधिक ठिकानों पर एक साथ रेड डाली है। ईडी को जयपुर से मनी लॉन्ड्रिंग, क्रिप्टो करेंसी के ट्रांजैक्शन और शेल कंपनियों से जुड़े अहम सुराग मिले थे, जिसके आधार पर यह व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की कार्रवाई में कई बड़े नेता, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी और महादेव बुक के मुख्य संचालकों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। जयपुर के कई बड़े व्यापारी भी ईडी के रडार पर हैं, जिनके बैंक खाते और लेनदेन महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े पाए गए हैं। ईडी को छापेमारी के दौरान कई डिजिटल डिवाइस, मोबाइल, लैपटॉप, पेन ड्राइव और बैंक रिकॉर्ड मिले हैं। कुछ सबूतों से संकेत मिल रहे हैं कि इस अवैध सट्टा नेटवर्क में कई प्रभावशाली हस्तियों की संलिप्तता है। जांच एजेंसी इन डेटा की गहराई से पड़ताल कर रही है और जल्द ही नए खुलासे की संभावना जताई जा रही है। महादेव बुक बेटिंग ऐप भारत का सबसे बड़ा अवैध ऑनलाइन सट्टा प्लेटफॉर्म माना जाता है, जो क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों पर सट्टा लगवाने के साथ-साथ ऐप और वेबसाइट के जरिए करोड़ों रुपये का लेन-देन करता है। यह ऐप देशभर में कई स्तरों पर फैला हुआ है और इसका संचालन शेल कंपनियों, फर्जी खातों और क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से किया जाता है। पिछले साल भी ईडी ने महादेव ऐप से जुड़े कई ठिकानों पर छापे मारे थे, जिनमें करोड़ों की संपत्ति जब्त की गई थी और कुछ मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। अब इस ताजा कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि ईडी इस रैकेट की जड़ तक पहुंचने की कोशिश में है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में फंदे में फंसा मिला घायल बाघ, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

- टाइगर रिजर्व में सक्रिय हैं महाराष्ट्र के शिकारी, मददगार हैं स्थानीय अर्जुन झा-

जगदलपुर-रायपुर | आरएनएस

बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व में अब बाघ भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। टाइगर रिजर्व के बफर जोन में 5-6 वर्ष की उम्र का एक बाघ गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला है। वन विभाग ने बाघ का सफल रेस्क्यू कर लिया है।शिकारियों द्वारा लगाए गए तार के फंदे में फंसने से बाघ के दोनों पिछले पैर बुरी तरह जख्मी हो गए थे। घावों में सडऩ हो गई थी और कीड़े लग गए थे। इस घटना ने क्षेत्र में सक्रिय महाराष्ट्र के शिकारी गिरोह और स्थानीय सहयोगियों का हाथ होने का अंदेशा है। मामला इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर के बफर जोन के कांदुलनार, मोरमेड़, और तोयनार गांवों के बीच घने जंगल का है। यह स्थान जो बीजापुर जिला मुख्यालय से 25-30 किलोमीटर दूर है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने बीती रात बाघ को ट्रैंक्यूलाइज कर बेहोश किया। फिर तार के फंदे को काटकर अलग किया गया। वेटनरी डॉक्टर से घायल बाघ का उपचार कराया गया। जख्म पर मरहम पट्टी के बाद बाघ को जंगल सफारी क्षेत्र में समुचित इलाज के लिए भेजा गया। रेस्क्यू ऑपरेशन का वीडियो और फोटो सामने आए हैं, जिसमें वन कर्मी तार काटते दिख रहे हैं। लगभग 15-20 दिन पहले, कांदुलनार गांव के सर्वे कुन्ना नामक व्यक्ति की बाघ के हमले में मृत्यु हो गई थी। वह और 10-12 अन्य ग्रामीण बाघ की स्थिति की रेकी करने गए थे, तब ब बाघ ने उन पर हमला कर दिया था। सर्वे कुन्ना की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। वन विभाग ने शुरू में इसे महुआ बीनने के दौरान हुआ हमला बताया, जो बाद में गलत साबित हुआ।

शिकारी गिरोह की साजिश- जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली क्षेत्र से आया शिकारी गिरोह पिछले डेढ़ महीने से खाल और अंगों के लिए बाघ के शिकार की कोशिश में लगा था। कांदुलनार के 10-12 ग्रामीण, जिनमें सर्वे कुन्ना भी शामिल था, इस गिरोह के साथ मिलकर काम कर रहे थे। शिकारियों ने तार के फंदे लगाए, जो बाघ के लिए घातक साबित हुए। घायल बाघ कई दिनों तक जंगल में शिकार की तलाश में घूमता रहा। बड़ी बात तो यह है कि शेर का घाव देखने से साफ पता चल रहा है कि यह काफी पुराना है करीब दो से तीन सप्ताह पुराना। यानि शिकारियों ने बाघ का शिकार करने के लिए पहले तार लगाए। इसके बाद वे सर्चिंग करने के लिए निकले तो उन्हें यह घायल शेर दिखाई दिया। शेर को बुरी तरह से घायल देख शिकारी जब नजदीक पहुंचा तो शेर ने हमला कर दिया। जिससे एक की मौत हो गई। जबकि प्रारंभिक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि शेर के हमले से एक ग्रामीण की मौत तब हो गई जब वह महुआ बीनने के लिए पहुंचा था। घने जंगलों में जिस जगह से शेर का रेस्क्यू किया गया है उस लोकेशन पर यदि मोबाइल डिवाइस ट्रेक किया जाए तो यह साफ हो सकता है कि ग्रामीण की मौत वाले दिन वहां केवल मृतक ही नहीं था बल्कि और भी लोग मौजूद थे।